Regarding requirement of additional funds for maintenance of State and National Highways in Arunachal Pradesh

श्री तापिर गाव (अरुणाचल पूर्व) : माननीय अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे शून्य काल में बोलने का अवसर दिया है, इसलिए मैं आपको धन्यवाद देता हूं ।

माननीय अध्यक्ष महोदय, जब आप अरुणाचल प्रदेश आए थे, उस समय आपने देखा होगा कि बहुत बारिश हो रही है । पूर्वोत्तर राज्यों में लगातार छः महीने बारिश होती है । वहां के जितने भी हाइवेज़ हैं, तो वहां का पूरा फॉर्मेशन खिसक जाता है और लैंड स्लाइड्स होती है । कई जगहों पर ऐसा होता है । आज तेजू से लेकर वालोंग तक पूरे पहाड़ नदी में खिसक गए हैं । कुरुंग में ब्रिज खिसक गया है । पिप्सोरांग नामक जगह तो बिल्कुल चाइना के बॉर्डर पर स्थित है । वहां चार महीनों से राशन नहीं पहुंच पा रहा है ।

चाहे पिप्सोरांग हो, मेचुका हो, गेलिंग हो, टूटिंग हो, अनिनी हो, वालोंग हो, ऐसी जगहों पर पैरामिलिट्री और आर्मी का मूवमेंट भी टफ हो जाता है । ब्रह्मकुंड से तिद्डिंग तक आधे किलोमीटर तक का रास्ता नदी में बह गया है । ऐसी बहुत-सी जगह है । राज्य सरकार पर बहुत बोझ पड़ता है । अतः मैं आपके माध्यम से भारत सरकार से यह निवेदन करूंगा कि नेशनल हाइवे और स्टेट हाइवेज़ के मेंटीनेंस के लिए एडिशनल फंड्स दें, ताकि इन रास्तों का रेस्टोरेशन हो सके ।